बालाजी तेरा भवन देख के | By Narendra Kaushik

बालाजी तेरा भवन देख के
हो मेरा होया चाँदना मन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

दिव्य आदमी हो मेरे बाबा
इब शरण पड़्या सू तेरी
हो तेरे चरण का दास रहूँगा
इब लाज बचा दे मेरी
हो आवण लागी अंधेरी हो बाबा
हिम्मत ना मेरे तन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

बालाजी तेरा भवन देख के
हो मेरा होया चाँदना मन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

हो मैं निबाड़ करम का हीना
इब कटी बैठ गया डर के
हो मेरी काया में रौद फैल गया
यो पंड्या छूटे मार के
हो तेरे चरणा में बैठ गया डर के
इब ले लो अपनी शरण में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

बालाजी तेरा भवन देख के
हो मेरा होया चाँदना मन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

हो मेरी जान बचा देहो बाबा
मैं तेरा भजन करूँगा
तेरे भवन पे आऊँगा मैं
वचन ते नहीं फेरूँगा
हो मेरे हृदय करो बसेरा
हो मेरी फँस गई जान नेदान में

हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

बालाजी तेरा भवन देख के
हो मेरा होया चाँदना मन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

हो कहे मुरारी हो मेरे बाबा
यो दरद घाल्या घेरी
हो सीधी निगाह मेरे पे कर दे
तुम क्यूँ लारे सो देरी
हो जग में ज्योत जागती तेरी
मैं बैठ्या तेरे भवन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

बालाजी तेरा भवन देख के
हो मेरा होया चाँदना मन में
हो मन्ने दर्शन दे दे
हो मेरा संकट काटो क्षण में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%96-%e0%a4%95%e0%a5%87-by-narendra-kaushik/